मुद्रा बैंकिंग, लोक वित्त एवं अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र

बीएईसी-302

Money Banking, Public Finance and International Economics

BAEC-302

खण्ड-1. प्रस्तावना (Introduction)

- इकाई—1. मुद्रा की रूपरेखा, परिभाषा एवं कार्य (Outline, Definition and Functions of Money)
- इकाई-2. मुद्रा का वर्गीकरण (Classification of Money)
- इकाई—3. मौद्रिकमान, स्वर्णमान एवं पत्र मुद्रामान (Monetary Standard, Gold Standard and Paper Standard)

खण्ड-2. मुद्रा का मूल्य सिद्धान्त और स्फीति (Theory for Value of Money and Inflation)

- इकाई—4. मुद्रा के मूल्य निर्धारण के परम्परागत सिद्धान्त (फिशर व क्रेम्ब्रिज आदि) (Traditional Theory to Determine the Value of Money (Fisher and Cambridge))
- इकाई—5. मुद्रा के मूल्य निर्धारण के आधुनिक सिद्धान्त (फ्रीडमैन) (Modern Theory to Determine the Value of Money (Friedman))
- इकाई-6. मुद्रा स्फीति, अवस्फीति, विस्फीति, एवं संस्फीति व स्फीतिबद्ध गतिरोध (Inflation, Deflation, Disinflation and Inflation and Stagflation)

खण्ड—3. वाणिज्यिक बैंकिंग (Commercial Baking)

- इकाई—7. वाणिज्यिक बैंकिंग:— अर्थ, कार्य एवं विकास (Commercial Banking :- Meaning, Function and Development)
- इकाई—8. वाणिज्यिक बैंकों की साख—सृजन की प्रक्रिया (Process of Credit Creation of Commercial Banks)
- इकाई–9. बैंकों का राष्ट्रीयकरण एवं पश्चात् प्रगति का मूल्यांकन (Nationalization of Banks and Post-Progress Evaluation)
- इकाई—10. आर्थिक सुधार काल में वाणिज्यिक बैंकों में हुए सुधार एवं नवीन नीतियाँ (Reforms and New Policies in the Commercial Banks During the Economic Reform Period)

खण्ड-4. केन्द्रिय बैंकिंग (Central Banking)

- इकाई—11. केन्द्रीय बैंक:— कार्य एवं सिद्धान्त (रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया) (Central Bank:- Function and Theory (Reserve Banks of India))
- इकाई—12. साख—नियन्त्रणः— परिमाणात्मक एवं गुणात्मक विधियाँ (Credit Control:- Quantitative and Qualitative Methods)
- इकाई-13. मुद्रा-पूर्ति:- अवधारणा, अवयव एवं निर्धारक तत्व (Money Supply:- Concept, Components and Determinant Factors)

खण्ड—5. राजस्व की प्रकृति, क्षेत्र एवं सिद्धान्त (Nature, Scope and Theory of Public Finance)

- इकाई—14. राजस्व का आशय, विषय—वस्तु एवं निजी वस्तुएँ और सार्वजनिक वस्तुएँ (Meaning, Subject-Matter of Public Finance and Private Goods and Public Goods)
- इकाई—15. अधिकतम सामाजिक लाभ का सिद्धान्त (Theory of Maximum Social Advantage)
- इकाई–16. सार्वजनिक आय–व्यय (Public Income-Expenditure)
- इकाई-17. बजट एवं निर्माण प्रक्रिया (Budget and its Process of Preparation)

खण्ड–6. अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र (International Trade)

- इकाई—18. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार एवं क्लासिकल सिद्धान्त (International Trade and Classical Theory)
- इकाई–19. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के आधुनिक सिद्धान्त (Modern Theory of International Trade)

इकाई—20. व्यापार की शर्तें और मुक्त व्यापार, संरक्षण एवं भुगतान संतुलन (Terms of Trade and Free Trade, Protection and Balance of Payment)

इकाई-21. विदेशी विनिमय एवं नियन्त्रण (Foreign Exchange and Control)

Suggested Readings:

- 1. Mithani, D.M. (2008) *International Economics*, Himalaya Publishing House.
- 2. Mithani, D.M. (1998) *Modern Public Finance*, Himalaya Publishing House, Mumbai
- 3. Musgrave, R.A. and P.B. Musgrave (1976), *Public Finance in Theory and Practice*, McGraw Hill, Kogakusha, Tokyo.
- 4. Agrawal, Deepak (2009), *Money Banking, Public Finance & International Economics*, Himalaya Publishing House, New Delhi.

